राज्य के लोकदेवता

❑ गोगाजी चौहान

✓जन्म : ददरेवा (चुरू में) 11वीं सदी में। साँपों के देवता। इन्हें जाहर पीर भी कहते हैं।

✓गोगाजी ने गौ-रक्षा एवं मुस्लिम आक्रांताओं (महमूद गजनवी) से देश की रक्षार्थ अपने प्राण न्यौछावर किए।

✓किसान वर्षा के बाद हल जोतने से पहले गोगाजी के नाम की 'गोगा राखड़ी' हल और हाली, के बाँधता है।

✓गोगाजी के जन्म स्थल ददरेवा को शीर्ष मेड़ी तथा समाधि स्थल 'गोगामेड़ी' को 'धुरमेड़ी' भी कहते हैं। गोगामेड़ी में प्रतिवर्ष

✓भाद्रपद कृष्णा नवमी (गोगा नवमी) को विशाल मेला भरता है।

✓गोगाजी के थान 'खेजड़ी वृक्ष' के नीचे होते हैं जहाँ मूर्तिस्वरूप पत्थर पर सर्प की आकृति अंकित होती है।

WhatsApp JOIN NOW!

राज्य के लोकदेवता

❑ पाबूजी राठौड़

✓जन्म: 13वीं शताब्दी में फलौदी के निकट कोलूमंड में। जीन्दराव खींची से देवल चारणी की गायें छुड़ाते हुए वीर गति को प्राप्त।

✓गौरक्षक, प्लेग रक्षक व ऊँटों के देवता के रूप में विशेष मान्यता। लक्ष्मण के अवतार।

✓कोलूमंड में प्रमुख मंदिर जहाँ प्रतिवर्ष चैत्र अमावस्या को मेला भरता है।

✓ऊँटों की पालक राइका (रेबारी) जाति इन्हें अपना आराध्य देव मानती हैं।

✓पाबूजी से संबंधित गाथा गीत' पाबूजी के पवाड़े' माठ वाद्य के साथ नायक एवं रेबारी जाति द्वारा गाये जाते हैं।

✓'पाबूजी की फड़' नायक जाति के भोपों द्वारा 'रावणहत्था' वाद्य के साथ बाँची जाती है।

WhatsApp JOIN NOW!

राज्य के लोकदेवता

❑ रामदेवजी

✓'रामसा पीर', 'रूणीचा रा धणी' व 'बाबा रामदेव' नाम से प्रसिद्ध लोकदेवता।

✓जन्म : भादवा सुदी 2 संवत् 1462 (1405 ई.) को उण्डुकाश्मीर, शिव तहसील (बाड़मेर) में।

✓समाधि : रूणेचा में भादवा सुदी एकादशी संवत् 1515 (सन् 1458) को।

✓कामड़िया पंथ के प्रवर्तक । कृष्ण के अवतार। इनके गुरु बालीनाथ थे। रामदेवजी के मंदिरों को 'देवरा' कहते हैं।

✓रामदेवरा (रूणीचा, जैसलमेर) में रामदेवजी का विशाल मंदिर है जहाँ भाद्रपद शुक्ला द्वितीया से एकादशी तक विशाल मेला भरता है जिसकी मुख्य विशेषता साम्प्रदायिक सद्भाव व तेरहताली नृत्य है।

✓अन्य मंदिर : जोधपुर में मसूरिया पहाड़ी पर, बिटिया एवं सुरताखेड़ा (चित्तौड़गढ़)।

WhatsApp JOIN NOW!

राज्य के लोकदेवता

❑ तेजाजी

✓खड़नाल (नागौर) के नागवंशीय जाट। अजमेर जिले के प्रमुख लोक देवता ।

✓लाछा गूजरी की गायें मेरों से छुड़ाने हेतु प्राणोत्सर्ग। सर्प व कुत्ते काटे प्राणी का इलाज।

✓मुख्य थान- खड़नाल (नागौर), अजमेर के सुरसुरा, सेंदरिया व भांवता, बाँसी-दुगारी (बूँदी) एवं ब्यावर जिले में है।

✓परबतसर (डीडवाना-कुचामन) व अन्य थानों पर भाद्रपद शुक्ला दशमी को मेला (पशुमेला भी) भरता है।

❑ देवनारायणजी

✓मूल देवरा : गोठां दड़ावत (आसींद, भीलवाड़ा)। समाधि : देवमाली (ब्यावर)। ये सवाईभोज के पुत्र थे।

✓गुर्जर जाति के लोग देवनारायण जी को विष्णु का अवतार मानते हैं। इनकी फड़ गूजर भोपे बाँचते हैं।

✓देवनारायणजी का मेला भाद्रपद शुक्ला छठ व सप्तमी को लगता है।

राज्य के लोकदेवता

❑ कल्लाजी

✓जन्म : मारवाड़ के सामियाना गाँव में। प्रसिद्ध योगी भैरवनाथ इनके गुरु थे।

✓चित्तौड़ के तीसरे शाके में अकबर के विरुद्ध लड़ते हुए ये वीरगति को प्राप्त हुए। युद्धभूमि में चतुर्भुज के रूप में दिखाई गई वीरता के कारण इनकी ख्याति चार हाथ वाले लोक देवता के रूप में हुई।

✓'रनेला' इस वीर का सिद्ध पीठ है। भूत-पिशाच ग्रस्त लोग व रोगी पशुओं का इलाज।

राजस्थान क्लासेज

❑ मल्लिनाथजी

✓जन्म : 1358 ई. में मारवाड़ में।

✓ये भविष्यद्दष्टा एवं चमत्कारी पुरुष थे।

✓तिलवाड़ा (बालोतरा) में इनका प्रसिद्ध मंदिर जहाँ हर वर्ष चैत्र कृष्णा एकादशी से 15 दिन का मेला (पशु मेला भी) भरता है।

WhatsApp JOIN NOW!

राज्य के लोकदेवता

❑ हड़बूजी

✓गुरु : बालीनाथ। रामदेवजी के समाज सुधार कार्य के लिए आजीवन कार्य किया।

✓बेंगटी (फलौदी) में हड़बू जी का मुख्य पूजा स्थल है एवं इनके पुजारी साँखला राजपूत होते हैं।

❑ मेहाजी मांगलिया

✓बापणी (फलौदी) में इनका मंदिर है।

✓भाद्रपद कृष्ण जन्माष्टमी को मांगलिया राजपूत मेहाजी की अष्टमी मनाते हैं।

❑ तल्लिनाथजी

✓जालौर के प्रसिद्ध प्रकृति प्रेमी लोकदेवता ।

WhatsApp JOIN NOW!

राज्य के लोकदेवता

❑ देव बाबा

✓पशु चिकित्सा का अच्छा ज्ञान । गूजरों व ग्वालों के पालनहार व कष्ट निवारक ।

✓नगला जहाज (भरतपुर) में मंदिर जहाँ भाद्रपद शुक्ला पंचमी और चैत्र शुक्ला पंचमी को मेला भरता है।

❑ मामा देव

✓विशिष्ट लोक देवता जिनकी मिट्टी-पत्थर की मूर्तियाँ नहीं होती बल्कि गाँव के बाहर प्रतिष्ठित लकड़ी का एक विशिष्ट व कलात्मक तोरण होता है।

❑ डूंगजी-जवाहरजी

✓शेखावाटी क्षेत्र के लोक देवता। ये धनी लोगों को लूटकर उनका धन गरीबों एवं जरूरतमंदों में बाँटते थे।

WhatsApp JOIN NOW!

राजस्थान सामान्य ज्ञान
वन लाइनर प्रश्न-उत्तर
500+ क्लिक करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
लाइव क्लास की सभी पीडीएफ
फ्री डाउनलोड करें
क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

नवीनतम राजस्थान GK
(टॉपिक वाइज नोट्स)
Free PDF
Click Here
RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
By - Aadarsh Sir

लाइव क्लासेज यहां से देखें

Click Here

Click Here

अन्य नोट्स PDF हेतु क्लिक करें

Click Here

हर नोट्स, मॉडल पेपर की लिंक यहां मिलेगी

Click Here